Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
January to March 2026, E-Journal, Vol. I, Issue LIII (53), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

भौगोलिक संदर्भ में विकसित छत्तीसगढ़ विजन – 2047 : एक विश्लेषण

डॉ. कपूर चंद गुप्ता*

* सहायक प्राध्यापक (भूगोल) किरोड़ीमल शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.) भारत

प्रस्तावना – 01 नवंबर 2000 को मध्यप्रदेश से पृथक होकर छत्तीसगढ़ राज्य अस्तित्व में आया। छत्तीसगढ़ का कुल क्षेत्रफल 135194किमी है। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की कुल जनसंख्या25540196है जिसमें 2827915 पुरुष और 2712281 महिला जनसंख्या है।वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 33 जिले हैं।

छत्तीसगढ़ अपनी विशिष्ट संस्कृति कला ऐतिहासिक वैभव के लिए पूरे विश्व में एक अलग पहचान रखता है। यह राज्य वन खनिज ऊर्जा एवं उर्वर मिट्टी से परिपूर्ण है। यहां प्रवाहित होने वाली नदियों ने यहां के आर्थिक सामाजिक और आर्थिक जीवन को सजाया और संवारा है। राज्य के 50% से अधिक क्षेत्र में महानदी का मैदान विस्तृत है जो अत्यंत उर्वर है। इस मैदान में धान की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। धान की उत्पादकता एवं किस्मों की गुणवत्ता के लिए राज्य को 'धान का कटोरा' कहा जाता है।

छत्तीसगढ़ राज्य वन सम्पदा एवं वन्य जीव –जंतुओं से समृद्ध है। यहां 44.21 प्रतिशत क्षेत्र पर वन का विस्तार है। यहां लोहा, कोयला, टिन, बॉक्साइट, डोलोमाईट और चूना पत्थर के भंडार मौजूद हैं। देश टिन उत्पादन में 100%, कोयला में 21.09%, लौह अयस्क में 17.61%योगदान रहा है।

राज्य में ऊर्जा, उद्योग, टेक्नोलॉजी, शिक्षा, सूचना एवं संचार, स्वास्थ्य, परिवहन आदि क्षेत्र में प्रगति हुई है। कोविड –19 के दौर में भी छत्तीसगढ़ राज्य आर्थिक विकास के मामले में पीछे नहीं रहा।हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। इस दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य भी तेजी से मजबूत कदम बढ़ा रहा है यह शुभ संकेत है।

छत्तीसगढ़ राज्य भौगोलिक दृष्टिकोण से अत्यंत विविधताएं और विषमताएं लिए हुए है। उत्तार छत्तीसगढ़ पहाड़ों, पठारों से, दक्षिण छत्तीसगढ़ पहाड़ों, पठारों और सघन एवं दुर्गम वनों से परिपूर्ण है वहीं मध्य छत्तीसगढ़ में मैदानी क्षेत्र का सर्वाधिक विस्तार है। यद्यपि भौगोलिक और क्षेत्रीय विषमताएं राज्य के विकास में बाधक रही हैं किंतु अच्छी रणनीति और सुशासन से विकसित छत्तीसगढ़ के सपने को समयावधि में साकार किया जा सकता है।एतदर्थ निम्नलिखित क्षेत्र में योजना एवं रणनीति बनाया जाना आवश्यक है :

जनसंख्या नियंत्रण – किसी भी राष्ट्र में संसाधनों के अनुपात में जनसंख्या की वृद्धि अधिक होती है तो विकास के लिए बाधक बन जाती है। जनसंख्या की दृष्टिकोण से छत्तीसगढ़ भारत में 17 वां स्थान रखता हैैं। 2023 के आंकड़े के अनुसार राज्य में जन्म दर 22.3 % है जो राष्ट्रीय औसत 18।4 से 3.9 % कम है। यद्यपि राज्य में दशकीय वृद्धि दर में कमी आई है किन्तु राज्य की कुल जनसंख्या 2011 के मुकाबले लगभग 22% बढ़ चुकी है। जनसंख्या वृद्धि छत्तीसगढ़ राज्य के विकास के लिए बाधक हो सकता है । बढ़ती जनसंख्या के कारण राज्य में शिक्षा,स्वास्थ्य, आवास एवं रोजगार की समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। इसलिए राज्य में जनसंख्या नियंत्रण हेतु 'राज्य जनसंख्या नियंत्रण बोर्ड' का गठन किया जाना आवश्यक है।परिवार नियोजन एवं जागरूकता हेतु स्वास्थ्य विभाग को 'डोर – टू –डोर ' स्वास्थ्य सुविधाएं पंहुचाकर जागरूकता अभियान चलाया जाना होगा।

शिक्षा के क्षेत्र में – राज्य में शिक्षा के प्रचार –प्रसार के साथ इसके उपादेयता एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। विशेषकर प्राथमिक शिक्षा में सुधार की आवश्यकता है। राज्य में प्राथमिक स्कूलों के अधिकांश बच्चों में आधारभूत ज्ञान (Basic Knowledge)का अभाव हैजो आगे की शिक्षा के लिए बाधक है। सरकारी संस्थानों में बेहतर अधोसंरचना के बावजूद अभिभावकों एवं बच्चों का रुझान अशासकीय संस्थानों की ओर है इसका शोध किया जाना आवश्यक है।राज्य में विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 2024–25 से नयी शिक्षा नीति लागू की की जा रही है। इससे विद्यार्थियों में कौशल विकास, रोजगार सृजन,मानवीय मूल्यों का विकास एवं शोध को बढ़ावा मिलेगा।इस नीति को सफल बनाने के लिए भविष्य में पर्याप्त अधोसंरचना के साथ यूजीसी के मापदंडों के अनुसार छात्र –शिक्षक अनुपात एवं कक्षाओं विद्यार्थियों की शत –प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित किया जाना होगा।शिक्षण संस्थानों के बेहतर प्रबंधन हेतु जनभागीदारी समितियों में शिक्षाविदों को महत्व दिया जाना चाहिए।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में – राज्य में AIIMS की स्थापना, जिला, जनपद, एवं ग्रामीण स्तर पर अस्पतालों की स्थापना एवं उन्नयन से स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ी है किन्तु शत –प्रतिशत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु और अधिक कारगर कदम उठाना होगा।जिला स्तर पर गंभीर बीमारियों के त्वरित परीक्षण एवं उपचार को सुनिश्चित सुनिश्चित किया जाना चाहिए। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में स्थित स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत बनाने के साथ 24×7स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैय्या कराये जाने से लोगों को लाभ होगा।स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रचार –प्रसार के साथ जनजागरूकता के लिए प्रयास की आवश्यकता है।ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश लोग फाइलेरिया, आयरन आदि के टेबलेट का सेवन नहीं करते। मुफ्त में

उपलब्ध दवाओं के साथ ओ आर एस पाउडर आदि का उपयोग भी कम लोग करते हैं। इसके लिए जनजागरूकता आवश्यक है।

कृषि के क्षेत्र में – छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है।यहां की 70%से अधिक जनसंख्या का व्यवसाय कृषि है। यहां चावल,मक्का, गेहूं, सोयाबीन, दलहन, तिलहन, साग –सब्जी, फल आदि की खेती के लिए अनुकूल दशाएं विद्यमान है। यह उल्लेखनीय है कि राज्य के 68.8% कृषि भूमि पर धान की खेती की जाती है जिसके लिए अन्य फसलों की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक जल की आवश्यकता होती है। एक ही फसल धान को अधिक उगाने से दाल, तेल, फल एवं साग –सब्जियों के मूल्य बढ़ रहे हैं। अत: धान के अलावा दलहन, तिलहन, फल एवं साग –सब्जियों की खेती को बढ़ावा दिए जाने हेतु 'विशेष कार्ययोजना' बनाए जाने आवश्यकता है।

परिवहन साधन के क्षेत्र में –किसी भी राष्ट्र के आर्थिक विकास में परिवहन के साधन रीढ़ होते हैं। इसलिए इसका विकास अत्यावश्यक है। विशेषकर छत्तीसगढ़ के दक्षिणी एवं उत्तरी क्षेत्र में सडक परिवहन के साथ रेल परिवहन साधनों का समुचित विकास किया जाना आवश्यक है।

पर्यावरण के क्षेत्र में –राज्य में पर्यावरण संतुलन के दृष्टिकोण से वन क्षेत्र अधिक हैं।भविष्य में उद्योगों की स्थापना, सड़क, आवास एवं कृषि हेतु पर्यावरण संतुलन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण हेतु सरकारी भूमि का शीघ्र चिन्हांकन कर वृक्षारोपण किया जाना चाहिए। इससे अवैध भूमि अतिक्रमण पर अंकुश लगेगा तथा बेहतर पर्यावरण का निर्माण हो सकेगा।ग्राम्य वन की संकल्पना इस दिशा में अत्यंत कारगर हो सकता है ।

जल संरक्षण के क्षेत्र में – राज्य में भू –जल स्तर तेजी से नीचे गिरता जा रहा है। यहाँ भूजल विकास मात्र 47.32 % है जो राष्ट्रीय प्रतिशत से अत्यंत कम है। जलस्तर के दृष्टिकोण से राज्य के 147 विकासखंडों मे 120 विकासखंड सुरक्षित,21 विकासखंड अर्ध गंभीर तथा 5 विकासखंड गंभीर जल स्तर संकट से गुजर रहे हैं। यद्यपि यहाँ जल संकट की स्थिति नहीं है किन्तु गंभीर एवं अर्ध गंभीर क्षेत्रों में जल विकास हेतु योजनाएं बनाए जाने की आवश्यकता है । इस हेतु नदी जल प्रबंधन, रैन वाटर हार्वेस्टिंग के साथ औद्योगिक एवं घरेलु अपशिष्ट पदार्थों का समुचित निस्तारण कर नदी,नालों, तालाब, पोखरों के जल को घरेलु उपयोग हेतु संरक्षित किया जा सकता है।

निष्कर्ष – छत्तीसगढ़ राज्य की धरती रत्नगर्भा है। उर्वर मिट्टी के साथ प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता, उन्नत कला –संस्कृति में राज्य का उज्ज्वल भविष्य छिपा हुआ है। राज्य में जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण,बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, सुशासन, शिक्षा में सुधार, कौशल विकास,पर्यावरण संरक्षण, रेल परिवहन का विकास, सामाजिक सौहार्द एवं समरसता कायम कर 2047तक विकसित छत्तीसगढ़ के सपने को साकार किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. केन्द्रीय भूजल बोर्ड **(CGWB)** (2024). Dynamic Ground Water Resources of Chhattisgarh, 2024 (As on March 2024) रायपुर: उत्तार मध्य छत्तीसगढ़ क्षेत्र, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार। (उपलब्ध: https://cgwb.gov.in/cgwbpnm/public/uploads/documents/17387543101433268167file.pdfया राज्य रिपोर्ट) (भूजल विकास चरण 47.32%, 146 विकासखंडों का वर्गीकरण – 120 सुरक्षित, 21 अर्ध–गंभीर, 5 गंभीर – के लिए)
2. रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त, भारत (2025). Sample Registration System (SRS) Statistical Report 2023. नई दिल्लीरू गृह मंत्रालय, भारत सरकार। (उपलब्ध: https://censusindia.gov.in/nada/index.php/catalog/46172/download/50420/SRS_STAT_2023.pdf) (छत्तीसगढ़ में जन्म दर 22.3 प्रति हजार एवं राष्ट्रीय औसत 18।4 के लिए)
3. वन सर्वेक्षण भारत **(FSI)** (2023). India State of Forest Report 2023 (Volume I). देहरादून: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार। (उपलब्ध: https://fsi.nic.in/uploads/isfr2023/isfr_book_eng-vol-1_2023.pdf) (वन क्षेत्र 44.21% या 44.2% के लिए)
4. जनगणना संचालन निदेशालय, छत्तीसगढ़ (2011)Census of India 2011: Primary Census Abstract – Chhattisgarh नई दिल्ली: भारत सरकार। (राज्य का क्षेत्रफल 1,35,194 वर्ग किमी, कुल जनसंख्या 2,55,40,196, 33 जिलों एवं जनसंख्या रैंक 17वें स्थान के लिए)
5. भारतीय खनिज ब्यूरो (**IBM**), खान मंत्रालय (विभिन्न वर्ष, मुख्यत: 2020–2023)। Indian Minerals Yearbook (Tin, Coal एवं Iron Ore अध्याय)। नागपुर: भारत सरकार। (टिन उत्पादन में 100%, कोयला में 21.09% एवं लौह अयस्क में 17.61% योगदान के लिए)
6. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (2020)। National Education Policy 2020. नई दिल्ली: भारत सरकार। (2024–25 से नई शिक्षा नीति लागू करने एवं गुणवत्ता सुधार के संदर्भ में)
7. छत्तीसगढ़ सरकार (2024–25)। Chhattisgarh Economic Survey / Statistical Handbook. रायपुर: योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग। (कृषि, परिवहन, जनसंख्या वृद्धि एवं अन्य सामान्य आंकड़ों के लिए)
8. वन एवं पर्यावरण विभाग, छत्तीसगढ़ (2023–24)State Forest Policy & Gram Van Yojana दस्तावेज। रायपुर: छत्तीसगढ़ सरकार। (वन संरक्षण, ग्राम्य वन एवं पर्यावरण संतुलन के लिए)

****